गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2018-2020

सेवा में,

मासिक
गोलालारीय दर्शन

लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

गोम्मटेश्वर बाहुबली विशेषांक

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 9 अंक : 3 पृष्ठ संख्या : 10 माह - 15 जनवरी 2018 सहयोग राशी 1100/- देकर सदस्य बनें ।

सौभाग्य आपको बुला रहा है...

इतिहास की प्रमाणिकता बनाये रखना संपादकों की जिम्मेदारी - आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज

भक्ति से मुक्ति की ओर प्रवृत्त करेगा महामस्तिकाभिषेक - पू. स्वस्तिश्री चारुकीर्तिजी भट्टारक

श्रवणबेलगोला । गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली स्वामी महामस्तकाभिषेक-2018, 7 फरवरी से 26 फरवरी 2018 के पूर्व आयोजित विभिन्न सम्मेलन श्रृंखला में 22 दिसम्बर 2017 को देशभर के जैन पत्र पत्रिकाओं के सम्पादक-पत्रकारों की राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई । श्रवणबेलगोला में विराजित वात्सल्य वारिधि, राष्ट्रगौरव आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज सहित समस्त आचार्य-मुनि-आर्यिका संघो के आशीर्वाद व पूज्य जगद्गुरू कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारूकीर्तिजी भट्टारक स्वामीजी के नेतृत्व व प्रचार-प्रसार उप-समिति के अध्यक्ष श्री पुनीत जैन (टाइम्स ऑफ इण्डिया) व संयोजक श्री स्वराज जैन टाईम्स ऑफ इण्डिया दिल्ली के आमंत्रण पर देश की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं के 100 से अधिक सम्पादक-पत्रकारों ने गोम्मटेश के महामस्तकाभिषेक एवं श्री भगवान बाहुबली के सिद्धान्तों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया ।

मंगल कलश स्थापना व गुरू आशीर्वाद समारोह में आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज ने चामुण्डराय मण्डप में कहा कि पत्रकार चौथा स्तम्भ है जिनका परम कर्तव्य है कि जहाँ की जैसी परम्परा है उसका पालन हो साथ ही ऐतिहासिक तथ्यों के साथ छेड़खानी न हो । इतिहास के साथ छेड़खानी न कर यथास्थिति के साथ तथ्यपूर्ण जानकारी देकर पत्रकार-सम्पादक बुद्धिजीविता का उदाहरण प्रस्तुत करें । प्रज्ञाश्रमण मुनिश्री अमितसागरजी महाराज ने कहा कि पत्रकार का दृष्टिकोण समीक्षात्मक होना चाहिये । अच्छाई के साथ बुराई, आलोचना के साथ समालोचना कर समाज, राष्ट्र को जागृत करना पत्रकार का परम कर्तव्य है ।

मंगल कलश स्थापना सर्व श्री पुनीत जैन, सी.ए. आदीश कुमार जैन, पी.वाय.राजेन्द्रकुमार आदि ने की । समस्त पत्रकारों ने आचार्य संघ का आशीर्वाद प्राप्त किया ।

महामस्तकाभिषेक हमारी दिगम्बर जैन परम्परा का गौरव उत्सव - पूज्य भट्टारक स्वामीजी

स्थानीय बाहुबली पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर में बने विशाल मण्डप में श्रीमति सौम्या सर्वेश जैन के कन्नड़ व प्राकृत भाषा में बाहुबली स्तुति से प्रारम्भ संगोष्ठी मे मंगलाचरण अखिल भारतीय शास्त्री परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व समाज गौरव डॉ. श्रेयांसकुमार जैन बड़ौत ने किया । मार्गदर्शन देते हुए परमपूज्य जगद्गुरू कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारूकीर्तिजी भट्टारक

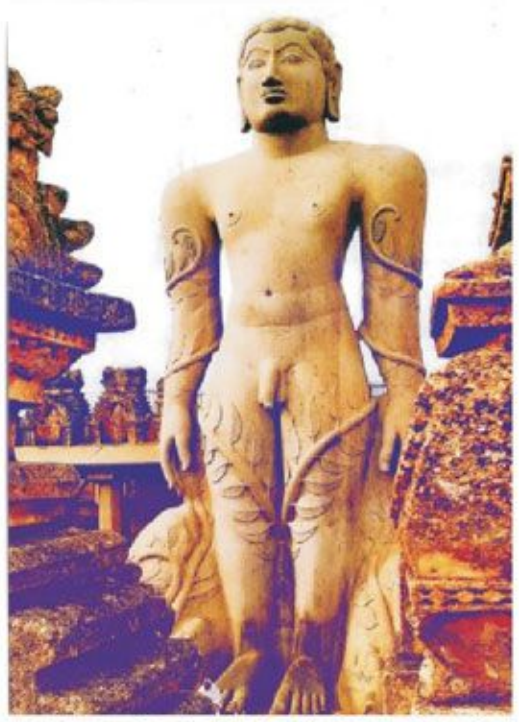

स्वामीजी ने कहा कि भक्ति से शक्ति और शक्ति से युक्ति व युक्ति से मुक्ति का पर्व महामस्तकाभिषेक है जो 12 वर्ष के अंतराल में होता है । स्वामीजी ने 1910 में हुए महामस्तकाभिषेक का जिक्र करते हुए बताया कि एक अंग्रेजी समाचार पत्र में महामस्तकाभिषेक की खबर दूसरे दिन छप जाए इस हेतु एक पत्रकार ने कबूतर को छह माह की ट्रेनिंग दी गई और वह कबूतर मस्तकाभिषेक की खबर लेकर मद्रास गया और अगले दिन अखबार में महामस्तकाभिषेक की खबर छप गई, आज तो हर बात का सीधा प्रसारण हो रहा है । श्रवणबेलगोला हमारी श्रमण संस्कृति का प्रतिनिधि तीर्थ है व हमारी परम्परा का गौरव उत्सव है । महोत्सव में संस्कृति के पालन के साथ लोक कल्याण की भावना का प्रमुखता दी जावेगी । 1993 में दानराशि की बचत से इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण कराया गया । आज यह भव्य आयोजन इसी प्रांगण से प्रारंभ हो रहा है । इस महामस्तकाभिषेक से जो राशि बचेगी उससे मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराने का संकल्प लिया है ।

80 लाख लोग आएंगें महामस्तकाभिषेक में -

महामस्तकाभिषेक महोत्सव के प्रचार-प्रसार उप-समिति के अध्यक्ष श्री पुनीत जैन ने कहा कि श्रवणबेलगोला का नाम सुनकर हर जीव के मन में अपार शांति, त्याग, मैत्री का संचार होने लगता है । हम सभी का दायित्व है कि हम भगवान बाहुबली स्वामीजी के सन्देश व पूज्य स्वामीजी की भावना को जन-जन तक पहुँचाये व सक्रियता से प्रचार-प्रसार में जुट जाए ।

जर्मन तकनीक से बन रहा है महामस्तकाभिषेक मंच-

महामस्तकाभिषेक महोत्सव के कार्याध्यक्ष श्री एस.जितेन्द्रकुमार बेंगलूरू ने विंध्यगिरि पहाड़ी की जानकारी देते हुए बताया कि महामस्तकाभिषेक हेतु जर्मन तकनीक से चार मंजिला 100'×60' का मंच बनाया जा रहा है जिसमें दो लिफ्ट आने-जाने के लिये व अभिषेक सामग्री की लिफ्ट अलग होगी । प्रतिदिन 8000 लोगों के दर्शन का प्रबंध रहेगा । प्रतिमा पर कोई नुकसान न हो इस हेतु पुरातत्व विभाग ने रसायन की परत चढ़ाई है ।

30 हजार श्रद्धालुओं के आवास की अत्याधुनिक व्यवस्था रहेगी-

आवास उप-समिति के अध्यक्ष श्री अनिल सेठी बेंगलूरू ने बताया कि 11 नगर बनाये जा रहे है । त्यागी नगर पूर्ण हो चुका है । सभी नगर के लिए अलग-अलग व्यवस्था की जा रही है, एकसाथ 30 हजार लोग ठहरे यह व्यवस्था की जा रही है । 80 फीट चौड़े रोड़ पर सारी सुविधाएँ उपलब्ध कराने का प्रबंध किया गया है जिससे आवागमन अवरुद्ध न हो । आधुनिकतम सुविधाएँ कॉटेज में दी जायेगी । महोत्सव के पहले 20 दिनों में 30 से 35 लाख व बाद के छह माह में करीब 45 लाख श्रद्धालुओं की आने की सम्भावना है । सभी के लिए आधुनिक सर्वसुविधायुक्त आवास की समुचित व्यवस्थाएँ की गई है । 19 से भी अधिक ट्रेनें श्रवणबेलगोला रेलवे स्टेशन पर पहुंचने की व्यवस्था होगी । 20 से 50 सदस्य समूह के रुकने की समुचित व्यवस्था की है ।

सभी को नि:शुल्क व सुस्वादु, संतुष्टि पूर्ण भोजन कराएंगे-

भोजन व्यवस्था उप-समिति के अध्यक्ष श्री विनोद बाकलीवाल मैसूर ने बताया कि प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के सुस्वादु भोजन की व्यवस्था 17 भोजनशालाओं के माध्यम से की जायेगी । अलग-अलग राज्यों के स्वादानुसार भोजन व नाश्ते का शानदार प्रबंध किया जा रहा है । सभी जगह आर.ओ. वाटर उपलब्ध होगा । सभी नगरों में अलग-अलग भोजनशालाएँ व छह सार्वजनिक भोजनशालाओं का निर्माण किया जायेगा । सभी का भोजन नि:शुल्क रहेगा । सम्पूर्ण देश के विभिन्न नगरों से भोजन सामग्री पहुँच रही है, कई टन भोजन सामग्री तेल, शक्कर, आटा, पोहे, गेहूँ, ज्वार, दाल, चावल, रसोई मसाले, केसर, काजू,